Marking Scheme for 11th (Level III)

Media Entertainment

Question No.	Answer	Marking
1	A	1
2	C	1
3	B	1
4	B	1
5	D	1
6	D	1
7	C	1
8	Saturation	1
9	Green	1
10	Pan	1
11	Cyan Magenta Yellow Black	1
12	National Green Tribunal	1
13	True	1
14	False	1
15	True	1
16	प्राथमिक रंग रंगों का एक समूह है जिसे रंगों की एक उपयोगी श्रेणी बनाने के लिए संयोजित किया जा सकता है। लाल, नीला और पीला प्राथमिक रंग है और हर दूसरे रंग का आधार बनते हैं। द्विंतीयक रंग बनाने के लिए प्राथमिक रंगां को एक साथ मिलाया जा सकता है।	2
17	यह एक क्रेन से लिया गया एक गतिशील शॉट है। क्रेन एक बडा भारी उपकरण है निसका उपयोग कैमरे को बहुत ऊंचे या बहुत निचले स्तर पर ले जाने के लिए किया जाता है. बिना कैमरा व्यक्ति को वस्तु के करीब जाने के लिए क्रेन की पूरी भुजा जिमी जिब ऊपर, नीचे, बाएँ, दाएँ कार्रवाई में ला सकते हैं। कैमरा–मेन को क्रेन और कैमरा का संतुलन बनाए रखना पड.ता है।	2
18	फिल्म निर्माण में पूर्व-उत्पादन (Pre-production) चरणों में कई महत्वपूर्ण कदम होते हैं। यहाँ फिल्म निर्माण के पूर्व-उत्पादन चरण के मुख्य कदम हैं: 1. कहानी और स्क्रिप्ट विकास: एक शानदार और सम्मोहक कहानी का विकास करना, जिसमें स्क्रिप्ट लेखन शामिल है। 2. संवाद और पटकथा लेखन: फिल्म के लिए संवाद लेखन और पटकथा तैयार करना। 3. कास्टिंग: फिल्म के किरदारों के लिए अभिनेता और अभिनेत्रियों का चयन करना। 4. लोकेशन और सेट चयन: फिल्म की शूटिंग के लिए उपयुक्त लोकेशन्स और सेट्स का चयन करना। 5. क्रू चयन: फिल्म निर्माण में शामिल होने वाले विभिन्न क्रू (डायरेक्टर, संचालक, कैमरामैन, संगीतकार, आदि) का चयन करना। 6. बजट और वित्तीय योजना: फिल्म की निर्माण बजट तय करना और वित्तीय योजना बनाना। 7. प्री-विज्युअलाइजेशन और टेक्निकल प्लानिंग: फिल्म की सीनेस की पूर्व-दृश्यकल्पना करना और टेक्निकल प्लानिंग करना, जैसे कि कैमरा एंगल्स, लाइटिंग, और संप्रेषण गंभीरता। 8. शूटिंग स्केज़ूल बनाना: फिल्म की शूटिंग के लिए सही समय सारणी तैयार करना।	2
19	विशिष्ट प्रभाव पैदा करने के लिए प्रकाश के कोण को सावधानीपूर्वक ध्यान में रखा जाना चाहिए। प्रकाश स्रोत से वस्तु या विषय तक और फिर कैमरे तक के कोण को ‘चरण कोण’ कहा जाता है।	2

	चरण कोण के साथ किसी वस्तु या विषय पर प्रकाश स्रोत का आपतन कोण छायांकन निर्धारित करता है। रूप दिखाने की दृष्टि से बड़े पैमाने पर छायांकन महत्वपूर्ण है। बनावट दिखाने के लिए छोटे पैमाने की छायांकन महत्वपूर्ण है।	
20	प्रभावी संचार क्षमता का उपयोग करके हम स्पष्ट रूप से अपने विचारों, भावनाओं, योजनाओं को ओडियंस के साथ बेहतर तरीके से शेयर कर सकते हैं। किसी भी बिजनेस तथा फरम की सफलता के लिए स्पष्ट संवाद अति आवश्यक है। संचार का महत्व निम्न है– सूचित करना प्रभावित करना भावना व्यक्त करना	**2**
21	स्वच्छ भारत अभियान का मुख्य उददेश्य भारतीय गांव कस्बे व शहरों को साफ सुथरा रखने का अभियान है। इसका एक और मुख्य उददेश्य खुले में शौच मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करना है। इस अभियान को सफल बनाने में हम सबका योगदान बहुत जरूरी है।	**2**
22	रंग सिद्धान्त– इसका उपयोग आर्ट और डिजाइन में किया जाता है।रंगों को मिलाने से उत्पन्न दृश्य प्रभावों को ही रंग सिद्धान्त कहा जाता है। रंगों के मिश्रण से ही हम हजारों रंग का निर्माण कर सकते हैं। रंगों का संयोजन एक कला के साथ–साथ विज्ञान भी है। रंग सिद्धान्त का इतिहास– रंग सिद्धान्त सबसे पहले लियोन बतिस्ता अल्टबर्टी दवारा 1435 में लिखा गया। पहला कलर चक्र 1666 में सर आईजैक न्यूटन द्वारा डिजाइन किया गया था। उन्होंने सफेद सूरज की रोशनी को छह अलग–अलग रंग की किरणों लाल, नारंगी, पीला, हरा, सियान और नीला में विभाजित करके सफलतापूर्वक काम किया।	**2**
23	कैमरा शॉट– किसी भी विषय को विभिन्न प्रकार के एंगल में प्रयोग करने के लिए कैमरा के माध्यम से विभिन्न प्रकार के शॉटस लिए जाते हैं। जैसे लांग शॉट, क्लोज शॉट, मीडियम शॉट इत्यादि। शॉटस के प्रकार निम्न हैं– 1. **extreme long (ELS)** 2. **long (LS)** 3. **medium long shot (MLS)** 4. **medium (MS)** 5. **medium close-up (MCU)** 6. **close-up (CU)** 7. **extreme close-up (ECU)**	**3**
24	फोटोशॉप एक ग्राफिक एडिटिंग साफटवेयर है जिसमें विभिन्न प्रकार की एडिटिंग की जाती है। एडिटिंग के लिए बहुत सारे टुल्स का प्रयोग किया जाता हैं जिसमें से लासो और क्रॉप टूल का वर्णन निम्न प्रकार से है। इसके द्वारा हम अपनी मर्जी के अनुसार किसी भी इमेज के एक निश्चित भाग को सिलेक्ट कर सकते हैं इसे सिलेक्ट करने के लिए यह हमें full freedom देता है जिससे कि हम बहुत ही बारीकी से इमेज का सिलेक्शन कर पाते हैं। Lasso Tool in Photoshop का उपयोग करने के लिए हमें सबसे पहले टूल बॉक्स में Polygonal Lasso Tool सिलेक्ट करना होता है इसको सिलेक्ट करने के बाद माउस की left button के द्वारा हम इमेज पर सिलेक्शन करना स्टार्ट कर सकते हैं। Lasso Tool को चलाने के लिए थोड़ी सावधानी रखने की आवश्यकता होती है, क्योंकि अगर आप डबल क्लिक करेंगे तो यह सिलेक्शन automatically अपने start point पर joint हो जाएगा जिससे एक	**3**

	complete path बन जाएगी इसलिए double click ना करें और जिसको सेलेक्ट करना चाहते हैं, उसे left click करते हुए सिलेक्शन करते जाएं। जब आपका सिलेक्शन पूरा हो जाए तब इसे उस प्वाइंट ले जाएं जहां से आपने सिलेक्शन करना प्रारंभ किया था। फोटोशॉप में क्रॉप टूल का इस्तेमाल फोटो को काटने के लिए किया किया जाता है .लेकिन इसमें और भी ऑप्शन है जिसकी मदद से आप फोटो को अलग अलग तरीको से काट सकते है .इसमें आपको कुछ प्रीसेट्स भी मिलते है जिस से आप जल्दी क्रॉप कर सकते है . या फिक्स रेश्यो में फिक्स साइज में फोटो को क्रॉप कर सकते है .	
25	Photoshop मे Layer का प्रयोग करना Photoshop में सबसे महत्वपूर्ण कार्य को करने में से है, Layer का कार्य एक पेज पर दिखाई दे रहे सभी तत्वों को, वास्तविक तौर पर अलग—अलग परतों पर रखा जाता है. Photoshop पर अलग अलग फोटो को अलग अलग लेबल पर रखने के लिए जो option का इस्तेमाल होता है वोही है **Photoshop Layers**. फोटोशॉप लेयर इस्तेमाल करके हम Image को अलग अलग तरीके से Edit कर सकते है, मन लीजिये आपको एक Photo Edit करना है और उसके लिए आपको 2 या 4 Photo की जरुरत है, तब आप सभी Photos को एक साथ select करके अलग अलग layer पर रख सकते हो और सभी Photo को एक ही Document पर रख कर बहुत आसान तरीके से Edit भी कर सकते हो। फोटोशॉप में लेअर की विभिन्न सुविधाए दी है, जिससे जटिल फोटो या ड्राइंग में बदलाव करना आसान हो गया है। लेअर सुविधा से आप संपूर्ण डिजाइन के इच्छित हिस्से को इच्छित प्रभाव दे सकते है, ऐसा करते समय डिजाइन के बाकी हिस्से निष्क्रिय रहते हैं। लेअर तकनीक को समझने के लिए हम उदाहरण लेते हैं, एक डिजाइन के चार हिस्से अलग अलग पेज पर बनाए है, जब हम पहले पेज पर कार्य कर रहे है, तब बाकी पेज पर उसका कोई असर नही होता हैं। इसी तरह हम अलग अलग पेज पर कार्य कर सकते है, तथा अंत में उन सभी पेजों को मिला कर संपूर्ण डिजाइन तैयार कर सकते हैं। फोटोशॉप इन पेज की जगह इलेक्ट्रानिक लेअर तैयार करता हैं। हम इन लेअर को आवश्यकतानुसार दृश्य, अदृश्य, सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। आप इच्छित लेअर को दूसरी लेअर के ऊपर रख सकते है, जिससे पीछे वाले डिजाइन का हिस्सा सामने वाले हिस्से से ढक जाता हैं। फोटोशॉप लेअर के साथ कार्य करने के लिए बहुत से विकल्प हैं। फोटो एडिटींग क्षेत्र के विशेषज्ञ इस सुविधा का लाभ बहुत अच्छी तरीके से लेत हैं। फोटोशॉप में Layer नाम का मेन है, जिसमे उससे सम्बन्धित सभी विकल्प उपलब्ध है, इसके अतिरिक्त फोटोशॉप लेअर पैलेट से भी इच्छित कार्य कर सकते हैं। फोटोशॉप में जब कोई नई फाइल चालू करते है, तब एक लेअर स्वयं ही बन जाता हैं। जिसे layer 1 नाम दिया जाता हैं। इसमें बाद में आप काम के अनुसार नये लेअर बना सकते	**3**

	हैं। फोटोशॉप के अंदर बहुत से लेअर, लेअर सेट आदि बना सकते हैं। प्रत्येक लेअर का एक अलग नाम होता है। चालु फाइल में उपलब्ध सभी लेअर की सूची, लेअर पैलेट में दर्शाई जाती हैं।	
26	Vector image pixel based नही होते हैं ये resolution independent होते हैं। Vector graphics mathematical calculations पर आधारित होते हैं। इस प्रकार के image के size को हम जितना चाहें उतना कम या ज्यादा कर सकते हैं और ऐसा करने पर image की quality पर कोई असर नही पड़ेगा। यानी बिना quality खोये हम इस तरह के इमेज को किसी भी आकार में print कर सकते हैं और यही vector graphics का सबसे बड़ा advantage है। Vector graphics drawing बनाने के लिए perfect है, आप Adobe Illustrator या Corel Draw से इस प्रकार की drawings कर सकते हैं। बड़े-बड़े पोस्टर बैनर को बनाने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है।	**3**
27	फोटोग्राफी में व्हाइट बैलेंस (White Balance)/ WB, या कलर बैंलेंस (colour balance) पर बहुत कम लोग ध्यान देते हैं। अपर्चर, शटरस्पीड और ISO के बाद फोटो के बनने-बिगड़ने में सबसे बड़ा हाथ व्हाइट बैलेंस का होता है। अपर्चर, शटरस्पीड और ISO से फोटो का एक्सपोजर निर्धारित होता है, जबकि व्हाइट बैलेंस से फोटो का फाइनल कलर-टोन या कलर कास्ट (आभा) निर्धारित होता है। हर वस्तु का अपना रंग होता है। लेकिन, हमारी आंखों को जो दिखाई पड़ता है वह इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसे किस रोशनी में देख रहे हैं। यानी सब्जेक्ट का रंग उसके ऊपर पड़ने वाले प्रकाश के रंग से प्रभावित होता है। आम तौर पर कैमरा वही रंग कैप्चर करता है जो वस्तु के रंग और उसके ऊपर पड़ने वाले प्रकाश के सम्मिलित प्रभाव से पैदा होता है। जैसे, एक बिल्कुल सफेद कागज का पन्ना बल्ब की रोशनी में थोड़ा पीलापन लिए दिखाई पड़ता है। जबकि, कागज का वही पन्ना ट्यूबलाइट या दिन की रोशनी में बिल्कुल सफेद दिखता है। आपने आउटडोर ली गई फोटो में भी गौर किया होगा- खिली धूप वाले दिन में ली गई तस्वीर का रंग स्वाभाविक होता है, जबकि बादल ढंके दिन में ली गई तस्वीर पर थोड़ी पीलापन ली हुई आभा होती है। व्हाइट बैलेंस (White Balance) एक टेक्नीक या तरीका है कैमरे के इमेज प्रॉसेसर को यह बताने का कि तस्वीर का कलर कास्ट, यानी उसमें रंगों की आभा हमें कैसी चाहिए। प्रायः हमें **फोटो लेने से पहले** डिजिटल कैमरे के इमेज प्रॉसेसर को यह बताना पड़ता है कि सामान्य रूप से आंख जैसी तस्वीर देखती है वैसी ही रंगत वाली तस्वीर हमें चाहिए,	**3**

	या हम जैसा चाहें वैसा। कैमरे में व्हाइट बैलेंस का यही काम है। कैमरे में इसका संकेत WB होता है।	
28	जिस गुण के कारण हमें वस्तुएँ भिन्न-भिन्न प्रकार के वर्णो में दिखाई देती है इस गुण को ही **रंग** कहते है। रंग प्रकाश का एक गुण है। **रंगों को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-** प्राथमिक रंग या मूल रंग द्वितीयक रंग विरोधी रंग **प्राथमिक रंग या मूल रंग** **मुख्य लेख :** प्राथमिक रंग प्राथमिक रंग या मूल रंग वे रंग हैं जो किसी मिश्रण के द्वारा प्राप्त नहीं किये जा सकते हैं। ये रंग निम्न हैं- लाल नीला हरा **द्वितीयक रंग** **मुख्य लेख :** द्वितीयक रंग द्वितीयक रंग वे रंग होते हैं जो दो प्राथमिक रंगों के मिश्रण से प्राप्त किये जाते हैं। द्वितीयक रंग रानी, सियान व पीला है। इन्हें दो भागो में विभाजित किया जा सकता है-	**5**
29	फोटोशॉप एक फोटो एडिटिंग, इमेज क्रिएशन तथा ग्राफिक्स डिजाईनिंग प्रोग्राम है जिसे एडोबे सिस्टम द्वारा विकसित किया गया है. जो मल्टीलेयर के साथ Raster Image Editing के लिए बनाया गया है. साथ में यह सॉफ्टवेयर वेक्टर ग्राफिक्स, टेक्स्ट एडिटिंग़, 3डी ग्राफिक्स को भी सपोर्ट करता है. यह टूल बॉक्स बाएं तरफ मौजूद एक पट्टी होती है जिसमें विभिन्न प्रकार के टूल रखे होते है. इनकी संख्या फोटोशॉप के संस्करण पर निर्भर करती है. क्योंकि फोटोशॉप के अपडेटेड और नए संस्करणों में इन टूल्स की संख्या बढ़ाई जाती है और कुछ पुराने टूल्स को हटा दिया जाता है. इसलिए आप इन टूल्स का उपयोग करने से पहले फोटोशॉप के संस्करण का ध्यान अवश्य रखें. **Selection Tools**: इस टूल का उपयोग इमेज के किसी विशेष भाग को सेलेक्ट करने के लिए किया जाता है. ताकि इमेज, आकृति, ग्राफिक्स को Cut, Copy, Delete, Edit, Retouch किया जा सके. यह टूल कई प्रकार के सेलेक्शन टूल्स उपलब्ध करवाता है. जिन्हे युजर Down	**5**

Arrow बटन पर क्लिक करके देख सकता है. या फिर राईट-क्लिक करके भी देखे जा सकते है.

Marquee Tool: इस टूल का काम भी सेलेक्शन करना ही होता है. जो सेलेक्शन के लिए Rectangular, Elliptical, Single Row, Single Column आदि टूल उपलब्ध करवाता है. इसके जरिए चुने हुए एरिया को बाकि ग्राफिक्स को नुकसान पहुँचाएं बगैर संपादित किया जा सकता है. इमेज को क्रॉप भी किया जा सकता है.

Crop Tool: इस टूल का उपयोग इमेज से उपयोग होने लायक एरिया काटेने के लिए किया जाता है. बाकि भाग अपने आप गायब हो जाता है. इसलिए इमेज क्रॉप करने पर फाईल साईज भी कम हो जाता है. इसलिए अन्य सेलेक्शन टूल तथा Marquee Tools के बजाए इसका उपयोग किया जाता है.

Move Tool: इमेज तथा लेयर को इधर-उधर सरकाने का काम मूव टूल के द्वारा किया जाता है. इसे की-बोर्ड से V दबाकर एक्टिव किया जा सकता है.

Lasso Tool: इस टूल के द्वारा युजर माउस को ड्रैग करके मन पसंद एरिया को सेलेक्ट कर सकता है. इस टूल में तीन प्रकार के टूल उपलब्ध होते है.

- **Regular Lasso**: इस टूल के द्वारा फोटोशॉप सेलेक्शन का काम करता है युजर को सिर्फ माउस पॉइंटर के जरिए एरिया तक टूल को ले जाना पड़ता है. युजर स्टार्ट पॉइंट से शुरू करता है और एंड पॉइंट पर माउस बटन को छोड़ देता है. इस दौरान कवर किया गया एरिया सेलेक्ट हो जाता है.
- **Polygonal Lasso**: यह टूल केवल सीधी लाईन में सेलेक्शन करता है. इसलिए इसका उपयोग कोनेदार ग्राफिक्स को सेलेक्ट करने के लिए बेहतर रहता है.
- **Magnetic Lasso**: यह टूल अपने आप सेलेक्शन करता है. बस युजर माउस द्वारा इसे सेलेक्शन एरिया तक ले जाता है. यह पिक्सल के अनुसार कोने ढूँढ़कर चिन्ह बनाता रहता है. और शुरुआती बिंदु को अंतिम बिंदु से जोड़ देने से सेलेक्शन पूरा हो जाता है जिसे युजर "Marching Ants" यानि हिलती हुई रेखाओं के जरिए पहचान सकते है.

Magic Wand Tool: यह टूल पिक्सल के आधार पर सेलेक्शन करता है. एक जैसे वैल्यु के पिक्सल जहाँ तक होंग़े उस एरिया को यह एक क्लिक पर सेलेक्ट कर लेता है. इसलिए इस टूल का उपयोग करने से पहले युजर Eyedropper द्वारा सैंपल तय करता है फिर मैजिक वांड टूल का उपयोग करने पर ज्यादा बेहतर परिणाम प्राप्त होते है. सपाट बैकग्राउंड मिटाने के लिए भी यह टूल काम आ जाता है.

Pen Tool: पेन टूल के द्वारा पाथ बनाए जाते है. फोटोशॉप में कई प्रकार के पेन टूल उपलब्ध होते है.

	Slice Tool: इस टूल का उपयोग किसी ग्राफिक्स को कई भागों में बांटने के लिए किया जाता है. और प्रत्येक भाग का अलग-अलग उपयोग भी किया जाता है. जिन्हे आप HTML तथा CSS द्वारा एक्टिव कर सकते है. **Clone Stamp Tool**: इस टूल का उपयोग डुप्लिकेट बनाने के लिए किया जाता है. युजर पूरी इमेज या फिर विशेष हिस्से का क्लॉन तैयार कर सकता है. और यह सारा काम एक क्लिक से पूरा हो जाता है. **Eraser Tool**: इस टूल द्वारा ग्राफिक्स को मिटाने के लिए किया जाता है. यह डिलिट करने से बेहतर टूल है क्योंकि एक बार में आप पूरी इमेज के बजाए सिर्फ किसी विशेष हिस्से को ही मिटा पाने में सफल हो पाते है. और यह सिर्फ एक्टिव लेयर पर ही काम करता है. इसलिए आप अन्य लेयर की चिंता करे बगैर अपना काम कर सकते है. साधारण इरेजर के अलावा इसमें **Background Eraser** एवं Magic Eraser भी मौजूद होती है. जिनके जरिए आप बैकग्राउंड भी डिलिट कर सकते है. **Shape Tools**: इस टूल के जरिए युजर विभिन्न प्रकार के **Ready-Made Shapes** का इस्तेमाल अपने प्रोजेक्ट में कर सकता है. क्योंकि फोटोशॉप में बहुत प्रकार की शेप्स दी जाती है. जिन्हे माउस को ड्रैग करके बनाया जा सकता है. **Zoom Tool**: जूम टूल के द्वारा इमेज को छोटा-बड़ा किया जाता है.	
30	फोटोग्राफी में लाइट का महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि सही प्रकार की रोशनी से तस्वीर की गहराई और रंग ठोस होते हैं। उपयुक्त प्रकार की लाइटिंग से आवश्यक गहराई, संकेत, और मूर्ति स्थायित होती हैं, जिससे तस्वीर में जीवंतता और जान आती है। अलग-अलग प्रकार की लाइटिंग तस्वीर के मूड और विषय को उजागर करने में मदद करती है, जैसे कि सम्पूर्ण, तड़ीपार, या संवेदनशील रौशनी। फोटोग्राफी में विभिन्न प्रकार की लाइट होती है, जो आपकी तस्वीरों की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। कुछ मुख्य प्रकारों में शामिल हैं: 1. *नैचुरल लाइट:* सूर्य प्रकाश का प्रयोग करना, जिससे तस्वीर में एक प्राकृतिक और मुलायम प्रकाश होता है। 2. *स्टूडियो लाइटिंग:* संगठनित प्रकाश उपकरणों का प्रयोग करके तस्वीर में विशेष आकर्षण बनाने के लिए। 3. *लो-लाइट फोटोग्राफी:* कम प्रकाश में फोटोग्राफी करना, जो काम रोशनी	

		में तस्वीरें लेने की कला को आदान-प्रदान देता है। 4. *रिम लाइटिंग:* प्रवृत्ति के प्रकाश को उपयुक्त ढंग से संदर्भित करने के लिए तस्वीर में परिधानीय आकर्षण प्रदान करने के लिए तस्वीर की किनारे पर प्रकाश का प्रयोग करना। 5. *फ्लैश फोटोग्राफी:* कम प्रकाश में फोटोग्राफी के लिए फ्लैश का प्रयोग करना। ये केवल कुछ उदाहरण हैं, फोटोग्राफी में और भी कई प्रकार की लाइटिंग तकनीकें हो सकती हैं, जो आपकी तस्वीरों को विशेष बनाने के लिए प्रयुक्त की जाती हैं।	